

बुद्धि पर जीन्स का असर कितना है?

यह पुरानी बहस है कि बुद्धि में कितना योगदान आनुवंशिकता का है और कितना योगदान परवरिश का है। एक ताज़ा अध्ययन में यह दर्शाया गया है कि एक जीन है जो बुद्धि को सीधे प्रभावित करता है। यह प्रभाव आज तक आंके गए किसी भी जीन के प्रभाव से अधिक है मगर यह भी बहुत कम है।

यह तो कई वैज्ञानिक मानते हैं कि बुद्धि पर जिनेटिक्स का काफी असर होता है मगर साथ ही यह भी स्पष्ट है कि कोई अकेला जीन बुद्धि का निर्धारक नहीं है बल्कि इसमें सैकड़ों जीन्स का योगदान होता है।

ताज़ा अध्ययन 20,000 से ज़्यादा लोगों के एमआरआई ब्रेन स्कैन और डीएनए सैम्पल पर आधारित है। केलिफोर्निया विश्वविद्यालय के पौल थॉमसन के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन में अंततः एक ऐसा जीन खोजा गया है जिसका बुद्धि पर मापन योग्य असर होता है। मगर *HMGA2* नामक यह जीन किसी व्यक्ति के आईक्यू में अधिक से अधिक 1.29 पॉइंट का बदलाव लाता है। खोदा पहाड़ निकली चुहिया कहावत की याद आती है।

HMGA2 नामक इस जीन का सम्बंध पहले कद के साथ देखा गया था। टीम ने पाया कि इसी जीन में एक स्थान पर सायटोसीन नामक क्षार की जगह थायमीन हो तो आईक्यू में अंतर पैदा होता है। टीम का मानना है कि सायटोसीन हो तो जीन सकारात्मक प्रभाव पैदा करता है। जीन में उस स्थान विशेष पर सायटोसीन क्षार हो तो भेजे का आयतन भी बढ़ता है - औसत साइज़ से 0.58 प्रतिशत बड़ा भेजा इसका परिणाम हो सकता है। दरअसल, भेजे की साइज़ पर इसके असर को देखते हुए ही शोधकर्ताओं को यह सूझा था कि इस परिवर्तन का असर बुद्धि पर भी देखें।

निष्कर्ष है कि यदि किसी व्यक्ति को माता-पिता दोनों से जीन का वह रूप मिले जिसमें सम्बंधित स्थान पर सायटोसीन क्षार हो तो उसका असर दुगना होता है (यानी उनका आईक्यू औसत से 2.6 प्रतिशत तक ज़्यादा हो सकता है)।

अन्य शोधकर्ताओं का मत है कि इस अध्ययन से स्पष्ट है कि एक जीन बुद्धि पर बहुत ज़्यादा असर नहीं डालता और बुद्धि का नियंत्रण व विकास न सिर्फ कई जीन्स पर बल्कि पर्यावरण पर भी निर्भर करता है। (*स्रोत फीचर्स*)